

सुस्वागतम्

प्रस्तुतकर्ति

- डॉ. कल्पना किरण पाटोळे
हिंदी विभाग,
गोपाळकृष्ण गोखले कॉलेज
कोल्हापुर

नया बैंक

मंगलेश डबराल

मंगलेश डबराल

- कवि परिचय
- जन्म –16 मार्च, 1948
- काव्य संग्रह— पहाड पर लालटेन, घर का रास्ता, हम जो देखते हैं, आवाज भी एक जगह है
- गद्य संग्रह— लेखक की रोटी, कवि का अकेलापन, एक बार आयोवा
 - पुरस्कार— साहित्य अकादेमी पुरस्कार, ओमप्रकाश स्मृति सम्मान, श्रीकांत वर्मा पुरस्कार, शमशेर सम्मान

नया बैंक – पुराना बैंक अंतर

- पुराना बैंक
- लोहे की सलाखों वाला दरवाजा
- लॉकर और स्टान्ग रुम
- अँधेरा
- खंजाजी
- पेन्शन का हिसाब
- भाईचारा

नया बैंक – पुराना बैंक अंतर

- नया बैंक
- सपाट और रोशन जगह
- विशाल कॉच
- एअरकंडिशनर
- ठंडी पारदर्शिता
- लगातार फर्श सफाई
- कर्ज देनेवाली गुमटियों
- ब्याज का हिसाब

नया बैंक

- भाईचारा महसूस नहीं करता
- अर्थकेंद्रित रिश्ता
- भूमंडलीकरण संस्कृति का ज्वलंत उदाहरण
- चक्रवृद्धि ब्याज
- फाइन और पेनल्टी वसूलता हैं

ધાન્યવાદ